बिहार विधान सभा वादवृत्त ।

बुधवार, तिथि २८ मार्च, १९५१ ।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य-विवरण ।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में बुधवार, तिथि २८ मार्च, १९५१ को पूर्वाह्न ११ बजे माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुआ ।

अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर ।

Short Notice Questions and Answers.

RISE IN THE PRICES OF RICE IN PATNA RATION SHOPS.

48. Shri NAND KISHORE NARAYAN LAL : Will the Hon'ble the Minister in charge of the Supply and Price Control Department be pleased to state—

(*a*) whether it is a fact that the prices of rice in the ration shops of Patna have been raised from Rs. 22-12-0 to about Rs. 30 a maund ; if so, the reason thereof ;

(*b*) if the answer to clause (*a*) be in the negative, the prices of all the different commodities supplied to card-holders of Patna;

(*c*) whether it is a fact that a very large number of Government servants of the Secretariat and attached offices who are low paid are facing hunger and starvation these days ;

(*d*) whether it is a fact that such Government servants are selling their wife's ornaments and other belongings to give at least one meal a day to their family and children ;

(*e*) whether Government have considered the baneful effect of increase in the prices of rations on the already famished poor Government servants without any corresponding increase in their salary ?

The Hon'ble Dr. ANUGRAH NARAYAN SINHA : (*a*) It is not a fact that the retail price of the same variety of rice has been raised from Rs. 22-12-0 per maund to Rs. 30 per maund in the ration shops. Certain variety of Punjab rice costing this Government about Rs. 22 per maund had been sold at the wholesale rate of Rs. 22 per maund from Government godown and retail rate of Rs. 22-12-0 per maund from ration shops at Patna. It is also a fact that certain variety of overseas fine rice costing this Government. Rs. 28-2-0 per maund is being sold at the wholesale rate of Rs. 28-2-0 per maund from Government godown at Patna and retail rate of Rs. 29-1-0 per maund plus sales tax from the Patna ration shops.

माननीय पंडित विनोदानन्द झा—(क) उत्तर स्वीकारात्मक है ।

(ख) इस वर्ग के अन्य सरकारी कर्मचारियों के वेतन को ध्यान में रखते हुए सरकार के विचार में ४० रु० वेतन इस समय पर्याप्त है । ग्राम सेवक अपने घर ही पर रहते हैं तथा उनसे आशा की जाती है कि वे इस वेतन को केवल अपना खर्च समझकर सार्वजनिक काम करेंगे ।

अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर

Short Notice Questions and Answers.

मुंशी सिंह कॉलेज के हरिजन छात्रों को छात्रवृत्ति ।

४३ । श्री यमुना राम—क्या माननीय मंत्री, हरिजन कल्याण विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) मोतिहारी मुंशी सिंह कॉलेज के किन-किन हरिजन छात्रों को छात्रवृत्ति स्वीकृत की गई है ;

(ख) उन छात्र की स्वीकृति छात्रवृत्ति अबतक दे दी गई या नहीं, यदि नहीं, तो क्यों ?

माननीय श्री जगलाल चौधरी—(क) मोतिहारी मुंशी सिंह कॉलेज के निम्नलिखित छात्रों को छात्रवृत्ति स्वीकृत की गई है :—

(१) श्री भगेलू राम ।

(२) श्री जगदीश नारायण ।

(३) श्री इन्द्र राम ।

(ख) स्वीकृति की खबर कॉलेज के प्रिंसिपल को दे दी गयी है और उन्हें डी० पी० आई० के पास यथाशीघ्र बिल भेज देने का निर्देश कर दिया गया है ।

श्री भागवत प्रसाद—मैं जानना चाहता हूँ कि किस तारीख को स्वीकृति दी गई है ?

माननीय श्री जगलाल चौधरी—५ अक्तूबर, १९५० को ।

श्री भागवत प्रसाद—मुंशी सिंह कॉलेज में कितने विद्यार्थियों ने आवेदन पत्र दिया था ?

माननीय श्री जगलाल चौधरी—आवेदन पत्र की संख्या हमारे पास तैयार नहीं है पर हमारे यहां से तीन विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दी गई है और एक को गवर्नमेंट ऑफ इन्डिया से दी गई है ।

श्री भागवत प्रसाद—अभी रुपया छात्रों को मिला है या नहीं ?

माननीय श्री जगलाल चौधरी—इसकी खबर सरकार को नहीं है । सम्भवतः मिला होगा ।

माननीय अध्यक्ष—अगर सरकार को नहीं मालूम है और यदि माननीय सदस्य को मालूम हो तो वे बतावें ।

श्री लतीफुर रहमान—आज कुछ इम्पोर्टेन्ट खबर अखबार में निकली है । हमलोग भी जानना चाहते हैं कि वह क्या है ।

माननीय अध्यक्ष—यह सभा अखबार पढ़ने की जगह नहीं है । आपका इस्तेदोआ नामंजूर हुआ ।